Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

गुरु गोविंद सिंह

➢ हालिया संदर्भ :

- ** प्रत्येक वर्ष 6 जनवरी को 10वें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती मनाई जाती है, जो सिख समुदाय के लिए सबसे बड़े धार्मिक त्योहारों में से है।
- यह इनकी 358वीं जयंती है।
- ** द्रिक पंचांग के अनुसार, गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म पौष शुक्ल सप्तमी को पटना साहिब (बिहार) में हुआ था।

➢ गुरु गोविंद सिंह :

- गुरु गोविंद सिंह को केवल 9 वर्ष की उम्र में सिखों के 10वें एवं अंतिम गुरु के रूप में नामित किया गया था।
- ये गुरु तेग बहादुर (9वें गुरु) के शहादत के बाद गुरु बने थे, जिन्हें इस्लाम धर्म न स्वीकारने के कारण औरंगजेब ने शहीद कर दिया था।

- *** गुरु गोविंद सिंह जी एक कुशल कवि, दार्शनिक एवं आध्यात्मिक नेता थे, जिन्होंने उत्पीड़न का मुकाबला करने एवं समाज में न्याय स्थापित करने के उद्देश्य से 'खालसा पंथ' के रूप में 'सिख योद्धा' समुदाय की स्थापना की थी।
- *** इन्होंने कई सुंदर भजन एवं प्रार्थनाएं लिखी, जिनका संकलन सिख के पवित्र ग्रंथ 'गुरु गोविंद साहिब' में है। इन भजनों को 'शबद' के नाम से जाना जाता है, जो सभा या संगतों के दौरान साथियों के साथ गाया जाता था।

Note :– 'गुरु ग्रंथ साहिब' का संकलन/संपादन सिखों के 5वें गुरु अर्जुन देव सिंह ने किया था। 10वें गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी ने इसमें गुरु तेग बहादुर के 116 शबदों को जोड़कर इसे पूर्ण किया।

Note :– गुरु ग्रंथ साहिब में अन्य समुदायों के व्यक्तियों के भी विचारों का उल्लेख है। इसमें रविदास, नामदेव, कबीर, धन्ना सहित सूफी शेख फरीद के वचन भी शामिल है

- ** 10वें गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने मृत्यु से पूर्व 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों का स्थायी गुरु नियुक्त किया।
- गुरु गोविंद सिंह की हत्या नांदेड़ में 1708 में कर दी गई थी।

➢ ** **पंच ककार :**

- गुरु गोविंद सिंह ने सिखों के लिए '5 ककार' या 'पंच क' की अनिवार्यता निर्धारित की, जो है–
  - केश :– बिना कटे बाल,
  - कंघा :– लकड़ी की एक कंघी,
  - कड़ा :– कलाई पर पहने जाने वाला धातु का एक कंगन,
  - कृपाण :– एक छोटी तलवार,
  - कच्छा :– एक छोटी पतलून (Underwear type)

➢ पंज प्यारे :

- गुरु गोविंद सिंह जी ने 1699 में वैशाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना करते समय 'पंज प्यारे' की स्थापना की थी।
- दरअसल उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए बलिदान के। लिए 5 सिर मांगे।
- जिन 5 लोगों ने स्वीकृति दी, उन्हें गुरु ने 'बपतिस्मा' दिया एवं 'पंज प्यारे' की संज्ञा दी।
- परंपरा अनुसार, बपतिस्मा प्राप्त सिखों को 'पंज–प्यारे' कहा जाता है कि एवं उन्हें विशिष्ट सम्मान दिया जाता है।
- 'पंज–प्यारे' की विशिष्टता यह थी कि वे पांचों व्यक्तित्व अलग–अलग राज्य एवं अलग–अलग संप्रदाय से थे।
- भाई दयाराम लाहौर, भाई धरम राय हस्तिनापुर (UP), भाई हिम्मत राय जगन्नाथपुर (ओडिशा), मोहकम राय गुजरात एवं भाई साहिबचंद कर्नाटक से थे।
- गुरु गोविंद सिंह जी ने सबके नाम के धागे 'सिंह' जोड़कर इनका नामकरण किया।

Note :– 'पंज–प्यारे' को सिख गुरु का एक रूप माना जाता है।

➢ वीर बाल दिवस :

- वीर बाल दिवस प्रत्येक वर्ष 26 Dec को मनाया जाता है, जो 10वें गुरु गोविंद सिंह जी के दो सबसे छोटे जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह के बलिदान का स्मरणोत्सव है।
- दरअसल मुगल फौज ने सिख परिवार (गुरु सहित) को आनंदपुर साहिब किले में घेर लिया तथा बाद में जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह को मुगलों ने पकड़कर इस्लाम धर्म स्वीकारने के लिए मजबूर किया लेकिन दोनों युवाओं ने इसे साफ इंकार कर दिया। फलत: 26 Dec 1705 को वजीर खान ने इन्हें जिंदा ही ईंटों में चुनवा दिया।

Note :– वीर बाल दिवस पहली बार 2022 में मनाया गया था।

➢ सिख गुरुओं से संबंधित विशिष्ट तथ्य :

1. गुरु नानक देव :

- प्रथम गुरु एवं धर्म के संस्थापक,
- बाबर एवं हुमायूं के समकालीन,

- लंगर (निःशुल्क सहयोगी भोजन) एवं संगत (धर्मशाला) की व्यवस्था की शुरुआत,
- करतारपुर में मृत्यु, जहां प्रसिद्ध करतारपुर साहिब गुरुद्वारा (अब पाकिस्तान में)

2. गुरु अंगद :

- दूसरे गुरु,
- बचपन का नाम लहना,
- गुरुमुखी लिपि की शुरुआत,

3. गुरु अमरदास :

- तीसरे गुरु
- पृथक विवाह प्रणाली 'लवन' की शुरुआत,

4. गुरु रामदास :

- चौथे गुरु,
- अमृतसर जलाशय एवं अमृतसर नगर की स्थापना,
- अपने तीसरे पुत्र अर्जुन देव को अगला गुरु नियुक्त कर 'गुरु–पद' को पैतृक बनाया।

5. अर्जुनदेव :

- 5वें गुरु,
- आदिग्रंथ या गुरु ग्रंथ साहिब की रचना,
- अमृतसर जलाशय के पास हरमंदिर साहिब का निर्माण,
- जहांगीर द्वारा हत्या करवाई गई।

6. हरगोविंद सिंह :

- 6वें गुरु,
- सिखों को सैन्य संगठन के रूप में निर्मित किया एवं अकल तख्त की स्थापना की।

- अमृतसर की किलेबंदी की,
- दरबार में नगाड़ा बनाने की व्यवस्था प्रारंभ की।

7. गुरु हरराय :

- 7वें गुरु,
- दारा शिकोह के समर्थक,

8. गुरु हरकिशन :

- चेचक से मृत्यु,
- औरंगजेब को 'गुरु–पद' के बारे में समझाया।

9. गुरु तेग बहादुर :

- नवें गुरु,
- इस्लाम न स्वीकारने पर औरंगजेब द्वारा हत्या,
- शीशगंज साहिब, गुरुद्वारा, दिल्ली में स्थित

10. गुरु गोविंद सिंह :

- दसवें गुरु,
- फारसी में जफरनामा लिखी,
- पाहुल प्रणाली की शुरुआत की,
- स्वयं को 'सच्चा पदशाह' कहा।

MCQ–1 : सिख गुरुओं से संबंधित कथनों में से सत्य कथन के आधार पर विकल्प का चयन करें–

1. दूसरे गुरु अंगद ने गुरुमुखी लिपि की शुरुआत की।
2. चौथे गुरु रामदास ने अमृतसर जलाशय का निर्माण करवाया।
3. पांचवे गुरु अर्जन देव ने स्वयं को 'सच्चा पादशाह' कहा।
4. दसवें गुरु गोविंद सिंह ने अरबी में जफरनामा लिखा।

a) केवल 1, 2 एवं 3
b) केवल 1 एवं 2
c) केवल 2 एवं 3
d) उपरोक्त सभी

Ans.–(b)

MCQ–2 : हाल ही में सिख के दसवें गुरु गोविंद सिंह की जयंती मनाई गई, गुरु गोविंद सिंह के संदर्भ में कौन सा कथन सत्य है–

a) इनका जन्म एवं मृत्यु दोनों बिहार में हुआ था।
b) आदि ग्रंथ या गुरु ग्रंथ साहिब में इन्होंने कोई योगदान नहीं दिया है।
c) ये औरंगजेब के समकालीन थे एवं उसी के शासनकाल में इनकी हत्या करवाई गई।
d) इन्होंने सिख–गुरु परंपरा को खत्म करते हुए 'गुरु ग्रंथ साहिब' को स्थायी गुरु घोषित किया।

Ans.–(d)

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806